भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3330

सोमवार, 16 दिसंबर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

बेरोजगारी दर में परिवर्तन

3330. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि श्रम ब्यूरो द्वारा जुलाई 2023 और जून 2024 के बीच की अवधि के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, यह पता चला है कि बेरोजगारी दर में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि उपरोक्त के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में पिछले वर्षों की तुलना में नौकरियां देने में कोई वृद्धि नहीं देखी गई है;

(ग) क्या यह सच है कि बेरोजगारी के संबंध में विशेषज्ञों की राय चिंताजनक है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) कया यह भी सच है कि भविष्य निधि के नए अभिदाताओं की संख्या में गंभीर स्थिति परिलक्षित हुई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ङ): रोजगार और बेरोजगारी पर आधिकारिक डेटा वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से एकत्र किया जाता है, जो 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित किया जाता है। सर्वेक्षण अवधि हर साल जुलाई से जून आयोजित किया जाता है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति पर अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 में 6.0% से घटकर 2023-24 में 3.2% हो गई है। साथ ही, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति पर रोजगार का संकेतक अनुमानित श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 में 46.8% से बढ़कर 2023-24 में 58.2% हो गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम केएलईएमएस (के: पूंजी, एल: श्रम, ई: ऊर्जा, एम: सामग्री और एस: सेवाएँ) के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र सहित देश में आर्थिक गतिविधियों में रोजगार वर्ष 2017-18 में 47.5 करोड़ की तुलना में बढ़कर वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ हो गया है।

इसके अलावा, सितंबर 2017 और सितंबर 2024 के बीच 7 करोड़ से अधिक शुद्ध अभिदाता कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईएफपीओ) में शामिल हुए हैं, जो नौकरी बाजार के औपचारिकीकरण में वृद्धि का संकेत देता है। साथ ही, 2023-24 के दौरान 1.31 करोड़ से अधिक शुद्ध अभिदाता ईएफपीओ में शामिल हुए हैं।

***